पंजीकृत/तत्काल

प्रेषक,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशु पालन विभाग,
लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी,
कानपुरनगर/कानपुरदेहात/कन्नौज/औरैया/इटावा/फर्रूखाबाद/मुजफ्फरनगर/शामली/सहारनपुर/आजमगढ़/मऊ/झांसी/जालौन/चित्रकूट/बांदा/हमीरपुर/महोबा/बरेली/पीलीभीत/बदायूँ/अलीगढ़/एटा/फैजाबाद/अमेठी/हापुड़/बुलन्दशहर/गौतमबुद्धनगर/गाजियाबाद/मेरठ/फतेहपुर/कौशाम्बी/हरदोई/उन्नाव/मैनपुरी/आगरा/मथुरा/फिरोजाबाद/जौनपुर/सोनभद्र/रामपुर/अमरोहा/देवरिया/कुशीनगर/महराजगंज।

पत्रांकः 1211 /प–2/11।एफ (417)/2014–15 दिनांकः 17/12/2015

विषयः–राष्ट्रीय कृषि विकास की उपयोजना **"अतिरिक्त चारा उत्पादन कार्यक्रम"** के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का अन्तिम बचत/व्ययाधिक्य विवरण पत्र उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अवगत कराना है कि इस कार्यालय के पत्र संख्या–2015/बजट/29 (5)/अनु0–11/01/2015–16 दिनांक 20.10.2015 द्वारा बजट का आवंटन किया गया था। योजनान्तर्गत व्यय की गयी धनराशि की प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण–पत्र फैक्स द्वारा उपलब्ध कराने हेतु इस कार्यालय के पत्र सं0–2001/प–2/।।। एफ(417)/दिनांक 10.12.2015 द्वारा निर्देशित किया गया है, जिसे तत्काल उपलब्ध करायें। योजनान्तर्गत आवंटित धनराशि के सापेक्ष मानक मदवार व्ययाधिक्य एवं बचत विवरण पत्र निम्न प्रारूप पर दिनांक 28.12.2015 तक अवश्य उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें–

व्ययाधिक्य एवं बचत प्रतिवेदन वर्ष 2015–16

1–लेखा शीर्षक–
2–योजना का नाम–

धनराशि हजार रू0 में

मानक मद	आवंटित धनराशि	वर्ष के लिए कुल सम्भावित व्यय	बचत	व्ययाधिक्य	बचत/व्ययाधिक्य का स्पष्ट कारण
1	2	3	4	5	6
42–अन्य व्यय 43–सामग्री एवं सम्पूर्ति					
योगः–					

अतः उपरोक्त संदर्भ में स्पष्ट करना है कि उक्त सूचनाओं के अभाव में योजना में स्वीकृत

धनराशि की द्वितीय किस्त वित्तीय वर्ष 2015–16 में अवमुक्त होने में यदि किसी प्रकार की विषम परिस्थिति उत्पन्न होती है तो समस्त उत्तरदायित्व आपका होगा।

भवदीय,

(डा0 राजेश बाबू),
निदेशक,
प्रशासन एवं विकास।

पत्रांक /प–2/।।।एफ (417)/2014–15 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– वित्त नियन्त्रक, मुख्यालय।
2– सम्बन्धित अपर निदेशक ग्रेड–2, पशुपालन विभाग, उ0प्र0।
3– नोडल अधिकारी, आर0के0वी0वाई0, पशुपालन निदेशालय, लखनऊ।
4– विभागीय बेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।

(डा0 राजेश बाबू),
निदेशक,
प्रशासन एवं विकास।